जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 17 अक्तूबर 2019

जामिया प्रोफेसर को आॅक्सीजन रेगुलेशन अनुसंधान के लिए प्रतिष्ठित आईसीएमआर पुरूस्कार

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के बाइओटेक्नालजी विभाग के प्रो मुहम्मद ज़ाहिद अशरफ को इंडियन काउंसिल आॅफ मेडिकल रिसर्च:आईसीएमआरः के प्रतिष्ठित बसंती देवी अमीर चंद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा हर्ष वर्धन ने कल प्रो अशरफ को, उनके उत्कृष्ठ अनुसंधान कार्य को मान्यता देने के स्वरूप यह अवार्ड दिया।

आईसीएमआर ने बाइओमेडिकल साइंसेज़ में महत्वपूर्ण अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए साल 1953 में इस पुरस्कार का गठन किया था। यह इस संस्थान द्वारा गठित सबसे शुरूआती पुरस्कारों में से एक है।

प्रो अशरफ की प्रयोगशाला ने बहूत ऊंचाई वाले इलाकों में, खून के थक्के जमने सहित दिल की बीमारियां होने में, आॅक्सीजन की कमी की भूमिका को समझने में बहुत महत्वपूर्ण शोध किए हैं।

आॅक्सीजन की कमी से सेलुलर प्रतिक्रिया के बारे में अनुसंधान के महत्व को इसी बात से जाना जा सकता है कि शरीर विज्ञान संबंधी नोबेल पुरस्कार की समिति ने, कोशिकाओं के आॅक्सीजन की उपलब्धि के अनुरूप खुद को ढालने की क्षमता को पहचानने संबंधी खोज के लिए, इस साल तीन वैज्ञानिकों को संयुक्त रूप से नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया है। आॅक्सीडेशन प्रक्रिया के लिए आॅक्सीजन की जरूरत होती है, जो ऊर्जा पैदा करती है। इसलिए इसकी कम आपूर्ति से फेफड़े क्षतिग्रस्त हो सकते हैं, दिमाग और दिल सहित कई सारी समस्याएं उठ सकती हैं।

प्रो अशरफ के शोध ने ऊंचे स्थानों में खून के थक्के जमने में आॅक्सीजन रेगुलेशन तंत्र की भूमिका को पहचाना है।

जामिया के यह प्रोफेसर नेशनल अकेडमी आॅफ सांइसेज़ और इंडियन अकेडमी आॅफ साइंसेज़, दोनों के फैलो हैं। साल 2018 में उन्हें प्रतिष्ठित डीबीटी के एस रामचन्द्रन-नेशनल बाइओसाइंसेज़ अवार्ड से भी सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय में वह अभी डायरेक्टर:अकेडेमिक्सः के पद पर हैं।

जामिया में शामिल होने से पहले वह रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन:डीआरडीओः के डिफेंस इंस्टीट्यूट आॅफ फिज़ियोलाॅजी एंड एलाइड साइंसेज़:डीआईपीएएसः में जीनाॅमिक्स डिवीजन के प्रमुख थे।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक